बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 246 ● नई दिल्ली ● वीरवार 02 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली के किशनगढ़ में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली । आज सुबह करीब 6:15 बजे दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में संजय वन के पास अरुणा आसफ अली रोड पर पुलिस और दो खतरनाक बदमाशों के बीच गोलीबारी हो गई। गुप्त सूचना के आधार पर दक्षिण-पश्चिम जिला की स्पेशल पुलिस टीम ने इन बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन बदमाशों ने भागने की कोशिश में पुलिस पर गोलियां चला दीं। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में एक बदमाश आरमान (26 वर्ष), निवासी जेजे कॉलोनी, बवाना, को दाहिनी टांग में गोली लगी और उसे तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। दूसरे बदमाश बशीर (24 वर्ष), जो उसको इलाके का रहने वाला को पुलिस ने मौके पर ही एक अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ धर दबोचा।

दिल्ली में इस बार दशहरे की तैयारियां हैं खास

नई दिल्ली। दशहरा का पर्व 2 अक्टूबर 2025 को पूरे देश में बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा. यह पर्व अच्छाई की जीत और बुराई के अंत का प्रतीक माना जाता है. हिंदू मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान राम ने रावण का वध कर धर्म की स्थापना की थी. वहीं एक अन्य मान्यता के अनुसार, मां दुर्गा ने महिषासुर नामक दैत्य का संहार किया था. भारत के अलग-अलग हिस्सों में दशहरा अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है. दिल्ली और एनसीआर में भी रामलीला का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाता है. शाम के समय रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले दहन की परंपरा है, जिसे देखने के लिए लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं. दिल्ली में दशहरे की तैयारियां तेजी से चल रही हैं. रामलीला मंचन की खास तैयारियाँ की गई हैं. इस विजयदशमी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु लालकिला मैदान में बने माधवदास पार्क के श्री धार्मिक लीला कमेटी पंडाल में आयोजित रामलीला देखने आएंगी. इस अवसर पर रंगीन सजावट, दर्शकों की भीड़ और उत्सव का माहौल लोगों को भव्य त्योहारी अनुभव देगा.

विजयादशमी तिथि और पूजा मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 2025 में 01 अक्टूबर की शाम 7 बजकर 2 मिनट से शुरू होगी और

02 अक्टूबर की शाम 7 बजकर 10 मिनट तक रहेगी. इस हिसाब से विजयादशमी का त्योहार 02 अक्टूबर को है.

पूजा का शुभ मुहूर्त

दोपहर 1 बजकर 56 मिनट से दोपहर 2 बजकर 44 मिनट तक।

अपराह्न पूजा मुहूर्त : दोपहर 1 बजकर 9 मिनट से 3 बजकर 31 मिनट तक।

रावण दहन का मुहूर्त

सूर्यास्त के बाद शाम 6 बजकर 5 मिनट पर दहन किया जा सकेगा.

दिल्ली के इन स्थानों पर होता है खास रावण दहन

रामलीला मैदान एक प्रतिष्ठित स्थल है जहाँ हर साल भव्य स्तर पर रावण दहन का आयोजन किया जाता है. यहाँ रावण, मेघनाथ और कुम्भकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है. साथ ही आतिशबाज़ी और रंग-बिरंगे मेले भी आयोजित होते हैं. इस स्थल का सुनहरा इतिहास इसकी महत्ता में और इजाफा करता है. इसलिए अगर आप दिल्ली में हैं, तो भव्य उत्सवों में शामिल होना सुनिश्चित करें. लाल किला मैदान भी दिल्ली में रावण दहन के भव्य उत्सव देखने के लिए एक प्रसिद्ध स्थल है. पृष्ठभूमि में लाल किला होने से यह समारोह और भी अधिक भव्य और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध दिखाई देता है. रामायण के नाट्य प्रस्तुतियाँ और प्रदर्शन काफी प्रसिद्ध हैं. पुतलों का दहन एक शानदार दृश्य होता है.

दशहरे पर नीलकंठ पक्षी का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दशहरे के दिन नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है. इसे भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है. कहा जाता है कि भगवान राम ने रावण पर विजय पाने से पहले नीलकंठ के दर्शन किए थे. ऐसे में दशहरे पर नीलकंठ को देखने से व्यक्ति के जीवन में सफलता, सुख-समृद्धि और भाग्य का साथ मिलता है.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अस्पताल में भर्ती, बेटे प्रियांक बोले- स्थिर और अच्छा कर रहे हैं

नई दिल्ली। कर्नाटक के आईटी मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने अपने पिता के स्वास्थ्य पर अपडेट साझा करते हुए बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छा महसूस कर रहे हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में, प्रियांक ने कहा कि खड़गे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है और उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छा महसूस कर रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बुधवार सुबह इलाज के लिए बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, खड़गे 7 अक्टूबर को कोहिमा का दौरा करेंगे और नागा सॉलिडैरिटी पार्क में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। लोकसभा सांसद और नागालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एस सुपोंगमेरेन जमीर ने कोहिमा स्थित कांग्रेस भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की। जमीर के अनुसार, कांग्रेस को इस रैली में कम से कम 10,000 लोगों के जुटने की उम्मीद है। सुरक्षित लोकतंत्र, सुरक्षित धर्मनिरपेक्षता और सुरक्षित नागालैंड थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा रोज़गार, उद्यमिता, सुशासन और सड़क संपर्क जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बयान में कहा गया है कि रैली के बाद खड़गे और कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति, समर्थक समिति और जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के अध्यक्षों के वरिष्ठ सदस्यों के बीच अलग-अलग बैठकें होंगी। कांग्रेस सांसद ने ज़ोर देकर कहा कि यह रैली न केवल एक पार्टी समारोह है, बल्कि नागालैंड और पूर्वोत्तर के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने का एक राजनीतिक मंच भी है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर अल्पसंख्यकों से रैली में शामिल होने और अपनी चिंताओं को आवाज़ देने की अपील की, जिसे उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय नेता आगे बढ़ाएँगे। खड़गे के साथ कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और पार्टी के नागालैंड प्रभारी, ओडिशा से सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका और अन्य राष्ट्रीय नेता भी होंगे। जमीर ने रेखांकित किया कि यह रैली क्षेत्र में कांग्रेस के व्यापक अभियान की शुरुआत है, जिसमें पार्टी सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम (अफस्पा), शासन और संवैधानिक अधिकारों जैसे मुद्दों पर कड़ा रुख अपना रही है।

राजनाथ सिंह बोले- रक्षा विभाग ने सुनिश्चित की सैन्य शक्ति की वित्तीय रीढ़, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका

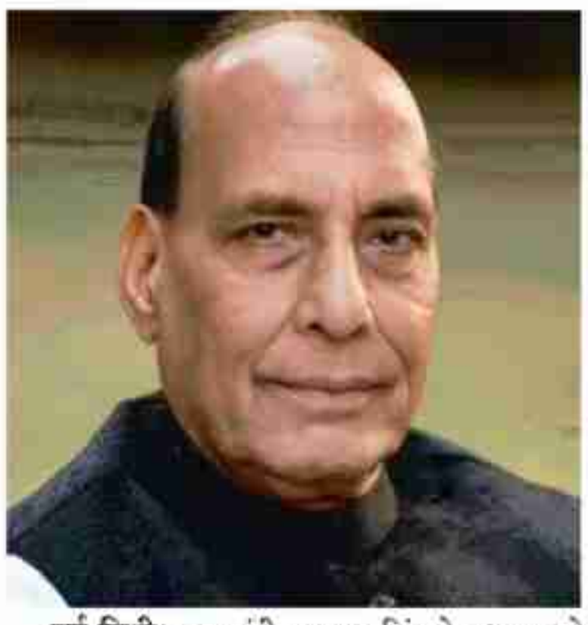

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करने, संसाधनों का अनुकूलन करने और परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की सराहना की और इसे भारत के सशस्त्र बलों की मौन लेकिन महत्वपूर्ण रीढ़ बताया। सिंह ने नई दिल्ली में विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जबकि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करने में सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को देखा, डीएडी की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की। राजनाथ ने रक्षा विभाग को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को समय पर संसाधन उपलब्ध कराकर परिचालन तत्परता को भी मज़बूत करती है। उन्होंने रेखांकित किया कि रक्षा विभाग केवल एक लेखा संगठन नहीं है; यह एक ऐसा प्रवर्तक है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह एक अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों की वीरता के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान निहित है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ÷किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मज़बूती में झलकती है÷ और बजट के कुशल उपयोग के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक, पूंजीगत बजट व्यय का 50 प्रतिशत पहले ही बुक किया जा चुका था, और पिछले वित्तीय वर्ष में 100 प्रतिशत उपयोग हासिल करने के लिए रक्षा विभाग की प्रशंसा की। सिंह ने डिजिटल इंडिया के तहत तकनीक को अपनाने के लिए रक्षा विभाग की सराहना की और ई-रक्षा आवास, निधि 2.0, ट्यूलिप 2.0 और एआई चैटबॉट ज्ञान साथी जैसी पहलों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ये प्रगतिशील सुधार दक्षता और पारदर्शिता के लिए तकनीक को अपनाने में रक्षा विभाग की सक्रिय भावना को प्रदर्शित करते हैं। ये डिजिटल रूप से सशक्त रक्षा वित्त प्रणाली की ओर बढ़ने के भारत के दृढ़ संकल्प को भी रेखांकित करते हैं। आधुनिक युद्ध को तेज़ी से तकनीक-संचालित बताते हुए, रक्षा मंत्री ने रक्षा विभाग से अनुसंधान और विकास को सक्षम बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, रक्षा बजट के संरक्षक के रूप में, अनुसंधान एवं विकास को सक्षम बनाने और प्रोत्साहित करने में आपकी भूमिका हमारे सशस्त्र बलों की भविष्य की क्षमताओं के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

ट्रंप की योजना का समर्थन, गाजा पर चुप्पी: कांग्रेस बोली- मोदी ने की भारत के मूल्यों की उपेक्षा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजा में भयावह अत्याचारों पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं और यह नैतिक कायरता' तथा भारत के प्रति पूर्ण विश्वासघात है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि अपने अच्छे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने और अपने दूसरे अच्छे दोस्त बीबी नेतन्याहू के साथ एकजुटता दिखाने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की नई 20-सूत्रीय योजना का स्वागत किया है। लेकिन उन्होंने कहा कि इस योजना पर बुनियादी और परेशान करने वाले सवाल अभी भी बने हुए हैं। कांग्रेस नेता ने पूछा, प्रस्तावित शासन

व्यवस्था में गाजा के लोग खुद कहाँ हैं? एक पूर्ण फ़िलिस्तीनी राज्य के निर्माण का रोडमैप कहाँ है? उन्होंने यह भी पूछा कि अमेरिका और इज़राइल कब तक फ़िलिस्तीनी राज्य के दर्जे की अनदेखी करते रहेंगे - जिसे संयुक्त राष्ट्र के 157 सदस्य देशों ने पहले ही मान्यता दे दी है, जिसमें भारत ने नवंबर 1988 में इस दिशा में पहल की थी। उन्होंने लिखा, पिछले बीस महीनों में गाज़ा में हुए नरसंहार की जवाबदेही कहाँ है? रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गाज़ा में हज़ारों नागरिकों की हत्या के लिए ज़िम्मेदार भयानक अत्याचारों पर पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। यह घोर नैतिक कायरता है और भारत के आदर्शों के साथ पूर्ण विश्वासघात है। कांग्रेस गाजा में अत्याचारों पर मोदी सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाती रही है।

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने भी पिछले हफ़्ते गाजा में निर्दोष नागरिकों के जारी नरसंहार पर गहरा दुःख व्यक्त किया और कहा कि भारत हमेशा से नैतिक विवेक का प्रतीक रहा है, लेकिन अब शर्मनाक रूप से मूकदर्शक बनकर रह गया है। मोदी ने मंगलवार को गाजा संघर्ष को समाप्त करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का स्वागत करते हुए कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है।

ट्रम्प द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उपस्थिति में इस योजना की घोषणा के बाद एक एक्स पोस्ट में, मोदी ने आशा व्यक्त की कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

दिल्ली पुलिस का दिवाली से पहले बड़ा एक्शन, 423 किलो प्रतिबंधित पटाखे के साथ 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में प्रतिबंधित पटाखों की अवैध बिक्री और भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर कुल 423 किलो पटाखे बरामद किए गए हैं. इस दौरान तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया. दिल्ली पुलिस के मुताबिक बरामद पटाखों की सप्लाई त्योहारों पर की जानी थी. दिल्ली पुलिस की टीम ने खुफिया जानकारी के तहत सदर बाजार के फिल्मिस्तान इलाके में छापा मारा. दिल्ली पुलिस की टीम ने इस कार्रवाई में आरोपी आशुतोष मिश्रा और आर्यन दुबे को पकड़ा . दोनों दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र हैं और पहली बार अपराध में लिप्त पाए गए. जांच में सामने आया कि दोनों ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रतिबंधित पटाखे खरीदे थे और त्योहारों पर बेचकर मुनाफा कमाने की प्लान बना रहे थे. पुलिस ने मौके से 148 किलो पटाखे बरामद किए. इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है. पुलिस की दूसरी कार्रवाई अशोक नगर मार्केट, एम.एस. पार्क में हुई. पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गई जहां से राकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया. आरोपी पहले भी इसी तरह के मामले में पकड़ा जा चुका है और मौसमी सामानों का थोक व्यापारी है. उसके कब्जे से 275 किलो पटाखे बरामद किए गए. दिल्ली पुलिस के दोनों कार्रवाई में कुल 423 किलो प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों के आदेशों को ध्यान में रखते हुए त्योहारों के दौरान अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी. प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री को रोकने के लिए, क्राइम ब्रांच राजधानी में इन पटाखों के अवैध भंडारण और बिक्री का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है.

आत्मनिर्भर भारत को चाहिए स्वदेशी 2.0

भारत हमेशा से लुटेरों के लिए आकर्षण का केंद्र और मुनाफाखोरों के लिए स्वर्ग रहा है। ईस्ट इंडिया कंपनी यहां व्यापार करने का फरमान लेकर आयी थी और उस अर्थ में वह विजेता नहीं, व्यापारी थी। फिर उसने यहां की सत्ता पलटी, परंपराएं बदलीं और एक फलती-फूलती सभ्यता को अपने अकालग्रस्त उपनिवेश में बदल दिया। आदान-प्रदान का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह दासत्व में खत्म हुआ। केंद्रीय आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में घोषणा की कि वह अकाउंटिंग और डाटा स्टोरेज जरूरतों के लिए विदेशी स्वामित्व वाली डिजिटल प्रणाली को देसी फर्म जोहो से बदल रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत नहीं। सोहो को जोहो में बदलना विदेशी नियंत्रण के विशाल महासागर में प्रतीकात्मक बुलबुले की तरह है। अंग्रेज चले गये, पर विदेशी असर बरकरार है। साम्राज्यवादी ध्वज अब भारत के आकाश को प्रदूषित नहीं करता, पर आज एक नये साम्राज्यवाद का वर्चस्व है। यह वेस्ट इंडिया कंपनी है। ब्रिटिश किलों को ढहा दिया गया है, पर पश्चिम के डकैतों की नस्लें यहां अगाध धन कूट रहीं हैं। पुरानी औपनिवेशिक शक्तियां कपास, सोना और अफीम यहां से ले जाती थीं, वहीं नये डकैत 21वीं सदी के हीरे-यानी डाटा का व्यापार करते हैं। लेखा परीक्षकों, सलाहकारों और विश्लेषकों के रूप में भारत आयी पश्चिमी एजेंसियां यहां के सरकारी कामकाज में सेंध मार चुकी हैं। मंत्रालयों में घुसकर इन्होंने हमारे राष्ट्र-राज्य को परनिर्भर बना दिया है। पहले वाणिज्य के जरिये देशों पर विजय प्राप्त की जाती थी, आज कंसल्टेंसी के जरिये दूसरे देशों को उपनिवेश बनाया जा रहा है। अगर भारत आत्मनिर्भरता के मामले में गंभीर है, तो उसे बुराइयों की जड़ पर हमला करना चाहिए, ऑडिट और कंसल्टेंसी के क्षेत्रों के चार दिग्गजों, डेलॉइट, पीडब्ल्यूसी, इवाइ और केपीएमजी, ने भारत की जड़ को जहरीला बना दिया है। बांद्रा-कुर्ला और एयरोसिटी में उनके गगनचुंबी ग्लास टावर संभ्रांतों की कुशलता के प्रतीक मालूम होते हैं, लेकिन वास्तविक अर्थ में वे विदेशी असर के किले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल इन चारों कंपनियों ने मिलकर भारत से 38,000 करोड़ रुपये वसूले. डेलॉइट का बिल 10,000 करोड़ रुपये, पीडब्ल्यूसी का 9,200 करोड़, इवाइ का 13,400 करोड़ और केपीएमजी का 6,000 रुपये था। ये सिर्फ बैलेंस शीट की संख्याएं नहीं हैं, बल्कि उधारी की बिल, निर्भरता की रसीदें और इंटेलेक्चुअल आउटसोर्सिंग के बिल हैं। रिलायंस, एचडीएफसी, अडानी और लार्सन एंड टुब्रो के संवेदनशील आंकड़े न सिर्फ भारतीय सर्वरों से उड़ा लिये जाते हैं, बल्कि उन फर्मों द्वारा उड़ाये जाते हैं, जिनकी निष्ठा लंदन और न्यूयॉर्क के प्रति है। हमारे मंत्री की जोहो से संबंधित ताजा सूचना से इन चार दिग्गजों द्वारा की जाने वाली डाटा चोरी पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। विश्व स्तर पर ये फर्में फर्जी ऑडिट करने, अरबों डॉलर का दंड चुकाने और बेईमानी के लिए कुख्यात हैं। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के विस्फोटक खुलासे में अडानी पर स्टॉक मेनिपुलेशन का आरोप लगाया गया था। पर भारत में अमेरिकी कंपनियां न सिर्फ फलती-फूलती हैं, बल्कि उनके ठेके की अवधि बढ़ायी भी जाती है। ये अमेरिकी कंपनियां भारतीय व्यापार का ब्लूप्रिंट तैयार करती हैं, कॉरपोरेट रणनीति का खाका खींचती हैं और अरबों डॉलर का टेंडर तय करती हैं, मंत्रालयों में बैठकर इन कंपनियों के अधिकारी एक हाथ से नीतियों का मसौदा तैयार करते हैं, दूसरे हाथ से जेबों में मुनाफा भरते हैं। इनके एजेंट नौकरशाहों के साथ काम करते हैं, सरकारी टेंडर उन्हीं के निर्देशों से जारी होते हैं, उनकी रिपोर्टों के आधार पर परियोजनाएं स्वीकृत होती हैं और इनके आकलनों पर अरबों के निवेश का फैसला लिया जाता है। ये कंपनियां भारत का ऑडिट नहीं कर रहीं, बल्कि भारत का आर्थिक भविष्य लिख रही हैं, और इस प्रक्रिया में इसकी संप्रभुता का क्षरण कर रही हैं। इन कंपनियों का हर ऑडिट, हर आंकड़ा भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उद्योगों की सूचना लीक करता है। इस तरह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ती है। यही नहीं, हर भारतीय परिवार में विदेशी एफएमसीजी दिग्गजों, एचयूएल, नेस्ले, पेप्सिको, कोकाकोला, मोंडेलेज, पीएंडजी की घुसपैठ हो चुकी है, जो हमारा भोजन तय करते हैं, बाजार पर एकाधिकार जमाते हैं और अपनी मूल विदेशी कंपनी को अरबों की रॉयल्टी दिलाते हैं। हर टूथपेस्ट ट्यूब में, हर सॉफ्ट ड्रिंक में और चॉकलेट के हर रैपर में औपनिवेशिक निरंतरता की जैसे पुड़िया बंधी हुई है। महात्मा गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ चरखे को हथियार बनाया था। आज विदेशी वर्चस्व के खिलाफ भारत को उसी तरह एकजुट होना चाहिए, अगर ट्रंप विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध लगा सकते हैं, चीन विदेशी कंपनियों को रोक सकता है, तो 1.4 अरब की आबादी वाला भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता आज भारत को दूसरे स्वदेशी आंदोलन की जरूरत है। स्वदेशी 2.0 का अर्थ है कि हम सब कुछ अपना बनायें, हमारी अपनी ऑडिट और कंसल्टेंसी कंपनी होनी चाहिए, जिसे सरकार का पूरा समर्थन हो। सरकारी दफ्तरों में विदेशी कंसल्टेंसीज पर प्रतिबंध लगाया जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि भारतीयों के लिए टेंडर व्यवस्था भारतीयों द्वारा तय की जायेगी। रक्षा क्षेत्र में घरेलू कंपनियों के लिए सरकारी ठेकों का बड़ा हिस्सा आरक्षित रखा जाये। भारतीय उद्योगपतियों के लिए आवश्यक किया जाये कि वे अपना चंदा और दान भारत में देंगे, ताकि अपने विश्वविद्यालयों को बेहतर बनाया जा सके, देश के संभ्रांतों को वैश्विक ब्रांडों और देश के प्रति निष्ठा में से एक को चुनना होगा। कॉरपोरेट दिग्गजों को अपने वेतन और भत्ते में कमी कर उन प्रतिभाशाली पेशेवरों को भारत से बुलाकर अच्छे वेतन की नौकरी देनी होगी, जिन्होंने अमेरिका को महान बनाने में योगदान दिया है। भारत को महान बनाने के लिए, उन पेशेवरों को भारत में बुलाया जाना चाहिए, जब महात्मा गांधी सूत कातकर, नमक बनाकर और सत्याग्रह के जरिये ब्रिटिशों की अवमानना कर सकते थे, तो दुनिया के सबसे युवा कार्यबल और 3.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले भारत के नेताओं के लिए मुश्किल क्या है आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं हो सकता। इसे एक तूफान होना होगा, फैक्ट्री से वित्त तक, रसोई की मेज से कैबिनेट की फाइल तक, इसे विदेशी वर्चस्व से मुक्ति का अभियान बनना होगा। सांकेतिकता का समय बीत चुका है। यह स्वदेशी 2.0 का समय है।

सम्पादकीय...

संघ शताब्दी यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य को अभी सौ वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस सौ वर्ष की यात्रा में कई लोग सहयोगी और सहभागी रहे हैं। यह यात्रा परिश्रम पूर्ण और कुछ संकटों से अवश्य घिरी रही, परंतु सामान्य जनों का समर्थन उसका सुखद पक्ष रहा। आज जब शताब्दी वर्ष में सोचते हैं तो ऐसे कई प्रसंग और लोगों का स्मरण आता है, जिन्होंने इस यात्रा की सफलता के लिए स्वयं सब कुछ समर्पित कर दिया। प्रारंभिक काल के वे युवा कार्यकर्ता एक योद्धा की तरह देश प्रेम से ओत-प्रोत होकर संघ कार्य हेतु देशभर में निकल पड़े। अप्पाजी जोशी जैसे गृहस्थ कार्यकर्ता हों या प्रचारक स्वरूप में दादाराव परमार्थ, बालासाहब व भाऊराव देवरस बंधु, यादवराव जोशी, एकनाथ रानडे आदि लोग डॉक्टर हेडगेवार जी के सान्निध्य में आकर संघ कार्य को राष्ट्र सेवा का जीवनव्रत मानकर जीवन पर्यन्त चलते रहे। संघ का कार्य लगातार समाज के समर्थन से ही आगे बढ़ता गया। संघ कार्य सामान्य जन की भावनाओं के अनुरूप होने के कारण शनैः शनैः इस कार्य की स्वीकार्यता समाज में बढ़ती चली गई। स्वामी विवेकानंद से एक बार उनके विदेश प्रवास में यह पूछा गया कि आपके देश में तो अधिकतम लोग अनपढ़ हैं, अंग्रेजी तो जानते ही नहीं हैं, तो आपको बड़ी-बड़ी बातें भारत के लोगों तक कैसे पहुँचेगी उन्होंने कहा कि जैसे चींटियों को शक्कर का पता लगाने के लिए अंग्रेजी सीखने की जरूरत नहीं है, वैसे ही मेरे भारत के लोग अपने आध्यात्मिक ज्ञान के चलते किसी भी कोने में चल रहे सात्विक कार्य को तुरंत समझ जाते हैं व वहीं वो चुपचाप पहुँच जाते हैं। इसलिए वे मेरी बात समझ जायेंगे। यह बात सत्य सिद्ध हुई। वैसे ही संघ के इस सात्विक कार्य को धीरे क्यों न हो, सामान्य जन से स्वीकार्यता व समर्थन लगातार मिल रहा है। संघ कार्य के प्रारंभ से ही संपर्कित व नये-नये सामान्य परिवारों द्वारा संघ कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद व आश्रय प्राप्त होता रहा। स्वयंसेवकों के परिवार ही संघ कार्य संचालन के केंद्र रहे। सभी माता-भगिनियों के सहयोग से ही संघ कार्य को पूर्णता प्राप्त हुई। दत्तोपंत ठेंगड़ी या यशवंतराव केलकर, बालासाहेब देशपांडे तथा एकनाथ रानडे, दीनदयाल उपाध्याय या दादासाहेब आपटे जैसे लोगों ने संघ प्रेरणा से समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में संगठनों को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई। ये सभी संगठन वर्तमान समय में व्यापक विस्तार के साथ-साथ उन क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज की बहनों के मध्य इसी राष्ट्र कार्य हेतु राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से मौसी जी केलकर से लेकर प्रमिलाताई मेढ़े जैसी मातृसमान हस्तियों की भूमिका इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। संघ द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय हित के कई विषयों को उठाया गया। उन सभी को समाज के विभिन्न लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ, जिनमें कई बार सार्वजनिक रूप से विरोधी दिखने वाले लोग भी शामिल रहे। संघ का यह भी प्रयास रहा कि व्यापक हिंदू हित के मुद्दों पर सभी का सहयोग प्राप्त किया जाए। राष्ट्र की एकात्मता, सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द तथा लोकतंत्र एवं धर्म-संस्कृति की रक्षा के कार्य में असंख्य स्वयंसेवकों ने अवर्णनीय कष्ट का सामना किया और सैकड़ों का बलिदान भी हुआ। इन सबमें समाज के संबल का हाथ हमेशा रहा है। 1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में भ्रमित करते हुए कुछ हिंदुओं का मतांतरण करवाया गया। इस महत्वपूर्ण विषय पर हिंदू जागरण के क्रम में आयोजित लगभग पाँच लाख की उपस्थिति वाले सम्मेलन की अध्यक्षता करने हेतु तत्कालीन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. कर्णसिंह उपस्थित रहे। 1964 में विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना में प्रसिद्ध संन्यासी स्वामी चिन्मयानंद, मास्टर तारा सिंह व जैन मुनी सुशील कुमार जी, बौद्ध भिक्षु कुशोक बकुला व नामधारी सिख सद्गुरु जगजीत सिंह इनकी प्रमुख सहभागिता रही। हिन्दू शास्त्रों में अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं है यह पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से श्री गुरूजी गोलवलकर की पहल पर उडुपी में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन में पूज्य धर्माचार्यों सहित सभी संतों-महंतों का आशीर्वाद व उपस्थिति रही। जैसे प्रयाग सम्मेलन में न हिंदुः पतितो भवेत् (कोई हिन्दू पतित नहीं हो सकता) का प्रस्ताव स्वीकार हुआ था वैसे ही इस सम्मेलन का उद्घोष था हिंदवः सोदराः सर्वे अर्थात सभी हिन्दू भारत माता के पुत्र हैं। इन सभी में तथा गौहत्या बंदी का विषय हो या राम जन्मभूमि अभियान, संतों का आशीर्वाद संघ स्वयंसेवकों को हमेशा प्राप्त होता रहा है। स्वाधीनता के तुरंत पश्चात राजनीतिक कारणों से संघ कार्य पर तत्कालीन सरकार द्वारा जब प्रतिबंध लगाया गया, तब समाज के सामान्य जनों के साथ अत्यंत प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी संघ के पक्ष में खड़े होकर इस कार्य को संबल प्रदान किया। यही बात आपातकाल के संकट समय में भी अनुभव में आई। यही कारण है कि इतनी बाधाओं के पश्चात भी संघ कार्य अक्षुण्ण रूप से निरंतर आगे बढ़ रहा है। इन सभी परिस्थितियों में संघ कार्य एवं स्वयंसेवकों को सँभालने का दायित्व हमारी माता-भगिनीयों ने बड़ी कुशलता से निभाया। वह सभी बातें संघ कार्य हेतु सर्वदा प्रेरणास्रोत बन गयी हैं। भविष्य में राष्ट्र की सेवा में समाज के सभी लोगों के सहयोग एवं सहभागिता के लिए संघ स्वयंसेवक शताब्दी वर्ष में घर-घर संपर्क के द्वारा विशेष प्रयास करेंगे। देशभर में बड़े शहरों से लेकर सुदूर गाँवों के सभी जगहों तक तथा समाज के सभी वर्गों तक पहुँचने का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। समूचे सज्जन शक्ति के समन्वित प्रयासों द्वारा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की आगामी यात्रा सुगम एवं सफल होगी।

चारों ओर जहरीले बयानों की बारिश

बिहार में जहर की बारिश, पंजाब में जहर की बारिश, लेह-लद्दाख में जहर की बारिश, उत्तर प्रदेश में जहरीली बारिश। इन जहरीली बारिशों और कुढ़ के फव्वारे का कोई अंत नहीं। सत्य और तथ्य इन दिनों या तो आप 'आईसीयू' में है या 'वेंटिलेटर' पर। मर्यादाएं, आचार संहिताएं, सभ्य आचरण और सभ्य भाषा, सब 'डायलिसिस' पर है। कहीं कुछ भी तो ऐसा नहीं है, जहां खुले में स्वस्थ सांस ली जा सके। 'एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)' अर्थात 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' के इस युग में सत्य व तथ्य को जीवित तलाश करना फिलहाल नामुमकिन है। इस सृष्टि का जो सिलसिला महाप्रलय या 'ब्लैक होल' से शुरू हुआ था, अब भी कमोबेश वहीं टिका है। वस्तुतः जिस तरह 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' धीरे-धीरे हमारी सामाजिक, राजनैतिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक जिंदगी में प्रवेश करती जा रही है, हमारी हर सोच पर 'एआई' का कब्जा होने लगा है। हाल ही में वित्तमंत्री सीता रमण को 'डीपफेक एआई' के माध्यम से जिस रूप में प्रस्तुत किया गया, वह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में यह 'एआई' चुनाव भी लड़ेगा। 'चैनल' भी चलाएगा, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं डिजीटल मीडिया भी चलाए। इस समय विश्व की लगभग आधी आबादी 'सोशल मीडिया' से जुड़ी हुई है। अब स्थिति यह है कि सत्ता पक्ष व विपक्ष की अधिकांश चुनावी-मशीनरियां 'एआई' के उपकरणों में प्रशिक्षित हो रही हैं। नए 'चुनावी-वाररूम' अब नेता लोगों की 'आवाज' के नमूने एकत्र करने में लगे हैं। यह सारी प्रक्रिया कितनी खतरनाक सिद्ध हो सकती है, इसका सही-सही अनुमान लगाना हो तो 'एआई' को करीब से समझना पड़ेगा। कल्पना करें कि विपक्ष के किसी एक दल के 'एआई' विशेषज्ञों के पास सत्तापक्ष के किसी प्रमुख नेता की 'आवाज' का 'सैम्पल' है। उसी 'सैम्पल' के आधार पर विपक्षी दल के एआई विशेषज्ञ एक ऐसी 'स्क्रिप्ट' या ऐसा बयान तैयार कर सकते हैं जो प्रकट होने में पूरी तरह वास्तविक लगेगा। मगर उसमें दर्ज बयान, अपने ही पक्ष के विरुद्ध नए बवंडर खड़े कर सकते हैं। हाल ही में वित्तमंत्री श्रीमती सीता रमण की आवाज व उनके अंदाज में एक ऐसी योजना घोषित की गई, जो वस्तुतः सरकारी नीति का कोई अंग नहीं है। इसमें वित्तमंत्री एक 'एप' पर 21 हजार रुपए की राशि जमा कराने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही दिखाई पड़ती हैं जो जमाकर्ता को आनन-फानन में लखपति बना देगा। 'डेथ ऑफ एन ऑथर' यानी एक लेखक की मौत। वर्ष 2023 में आए 'एडन मार्शल' के इस उपन्यास ने दुनिया भर के साहित्य जगत में हलचल मचा दी थी, क्योंकि इस उपन्यास का 95 फीसदी हिस्सा 'जेनरेटिव एआई टूल' यानी चैटजीपीटी की मदद से लिखा गया था। इसी प्रकार जापान में उभरते हुए लेखकों को दिया जाने वाला प्रतिष्ठित अकुतागावा पुरस्कार 2024 में एक ऐसे उपन्यास को दिया गया जिसका थोड़ा हिस्सा एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से लिखा गया था। इस उपन्यास का नाम है 'द टोक्यो टॉवर ऑफ सिम्पथी' और इसकी लेखिका हैं री कुडान। कुछ लोगों ने इसे लेखक की प्रयोगशीलता माना तो कुछ अन्य लोगों ने इसे मौलिकता की क्षति के रूप में परिभाषित किया। इन घटनाओं के सामने आते ही यह बहस छिड़ गई कि लेखन की दुनिया में कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस अथवा एआई) की क्या भूमिका हो सकती है और क्या यह वाकई स्वतंत्रता की दृष्टि से वास्तविक लेखकों जैसी रचनाएं प्रस्तुत कर सकता है। हिंदी का साहित्य जगत भी पीछे नहीं रहा और साहित्यिक पत्रिका कथमाली में लेखक अमित श्रीवास्तव की एआई की सहायता से लिखी गई एक कहानी प्रकाशित की गई। कहानी का शीर्षक था- आला बाला मकड़ी का जाला। इस कहानी के बारे में लेखक अमित श्रीवास्तव कहते हैं, इस कहानी को लिखने के पहले मैंने चैटजीपीटी को अपनी कुछ रचनाएं दी थीं जिनको समझकर उसने कहानी की भाषा निर्धारित की। इसे लिखने के लिए मुझे कुछ प्रॉम्प्ट भी देने पड़े।'

लेखक का अनुभव यह रहा कि पूरी कहानी लिखने के बजाय किसी चरित्र को विकसित करने में, किसी पात्र की कहानी बुनने में, संवाद लिखने में या कहानी को कोई मोड़ देने में इसका बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप एआई को अच्छे तरीके से कोई प्रॉम्प्ट देते हैं तो कई बार बहुत चौंकाने वाले परिणाम सामने आते हैं। मुझे लगता है कि यह माध्यम ढेरों संभावनाओं से भरा हुआ है और आने वाले समय में इसका बहुत बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। इन रचनाओं के लिए एआई (चैटजीपीटी व अन्य) जो वाक्य रचते हैं वे हमारी भाषाओं में रची गई उन अनगिनत पुस्तकों, लेखों तथा अन्य रचनाओं से लिए जाते हैं जो इंटरनेट पर मौजूद हैं। यह जो वाक्य पैराग्राफ या लेख लिख पाता है वह केवल इसलिए संभव हो पाते हैं कि वे इंटरनेट पर पहले से मौजूद हैं। यही इसकी ताकत भी है और इसकी कमजोरी भी। कैसे लिखते हैं एआई टूल्स = चैटजीपीटी या अन्य एआई टूल्स का लेखन दरअसल हम सभी के लेखन से बना है। हमारे द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से या अन्य तरीकों से जो भी लिखित सामग्री इंटरनेट पर डाली जाती है, एआई टूल्स उन सभी को एकत्रित करके उसका इस्तेमाल करते हैं। मिसाल के तौर पर चैट जीपीटी लार्ज लैंग्वेज मॉडल यानी एलएलएम का इस्तेमाल करते हुए एकत्रित आंकड़े का अध्ययन करता है और इस प्रकार वह अपने ढंग पर नई बात लिखने की क्षमता अर्जित करता है। इस प्रकार वह एक प्रकार के मशीनी लेखक की भूमिका निभाता है। एक प्रमुख प्रकाशक का कहना है कि यह सही है कि हिंदी के कुछ लेखकों ने अपनी कहानी या अपनी रचना का ढांचा खड़ा करने के लिए, एआई का प्रयोग किया है लेकिन निकट भविष्य में हिंदी साहित्य पर एआई के उपयोग या एआई के लेखन का कोई तात्कालिक प्रभाव या कोई तात्कालिक संकट नहीं नजर आता है।

इसकी मुख्य वजह है मानव व्यवहार की अनिश्चितता और अपनी संवेदनाओं को अलग-अलग शब्द देने की उसकी क्षमता। उदाहरण के लिए मुझे यह भी दावा किया जा रहा है कि एआई कभी भी फणीश्वरनाथ रेणु या कहें गीतांजलि श्री जैसे लेखकों के शब्दों, उनके मुहावरों को दोहरा सकता है। फिलहाल तो वह केवल मानक शब्दों का ही प्रयोग करता दिखता है। एक युवा आलोचक के अनुसार, यह भी संभव है कि लेखक तथा अन्य रचनात्मक लोग खुद लिखने के स्थान पर अपने काम के कुछ हिस्से को इन एलएलएम से कराना शुरू कर दें। दूसरी ओर यह भी हो सकता है कि अच्छे लेखक अपनी लिखी हुई सामग्री को जल्दी इंटरनेट पर जारी होने देने से बचना आरंभ कर दें, क्योंकि यह सामग्री इंटरनेट पर जाते ही चैटबॉट के डेटा सेट का हिस्सा बन जाएगी।

आतंकवादी है लारेंस गैंग

कनाडा अब भारत से रिश्ते सामान्य बनाने के लिए काफी सक्रिय है और हाल ही में उसने भारत की चिंता के बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए काम करना शुरू किया है। कनाडा ने अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आधिकारिक तौर पर आतंकवादी संगठन घोषित कर सकारात्मक कदम उठाया है। कौन नहीं जानता कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नेटवर्क कनाडा, अमेरिका और कुछ अन्य देशों तक फैला हुआ है जो हत्याओं, फायरिंग, जबरन वसूली जैसे संगठित अपराधों में संलिप्त है। आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के बाद कनाडा में इसकी सम्पत्ति जब्त की जा सकती है और कानून पालक एजेंसियों को आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए अधिक अधिकार मिल जाएंगे। कनाडा का यह कदम भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता है क्योंकि यही कनाडा है जिसने आरोप लगाया था कि भारत सरकार के एजेंट खालिस्तान समर्थक आंदोलन के नेताओं को निशाना बनाने के लिए बिश्नोई गैंग जैसे संगठित अपराध समूहों का इस्तेमाल कर रहा है। कनाडा के इस कदम में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले दिनों अजीत डोभाल और कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नथाली ड्रोइन के बीच नई दिल्ली में गहन वार्ता हुई थी और दोनों देशों ने आतंकवाद और अन्तर्राष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सहयोग पर सहमति जताई थी। पिछले साल कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि उनकी सरकार के पास 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के 'विश्वसनीय आरोप' हैं, जिसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया था। भारत ने इन आरोपों को 'बेतुका और 'प्रेरित' बताते हुए जोरदार खंडन किया था। जवाब में, भारत ने छह राजनयिकों को वापस बुला लिया, जिसमें कनाडा में उसके उच्चायुक्त भी शामिल थे, क्योंकि उन्हें हत्या की जांच कर रहे कनाडाई अधिकारियों की ओर से 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' करार दिया गया था। भारत ने भी कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया, जिसमें कनाडा के भारत में उच्चायुक्त भी शामिल थे। लॉरेंस बिश्नोई जुर्म की दुनिया का बड़ा नाम है जिसे सोशल मीडिया पर काफी सर्च किया जाता है। उसके अपराधी कनेक्शनों की चर्चा पूरी दुनिया में है। लॉरेंस बिश्नोई ऐसा गैंग लीडर है जो 2015 से भारत की जेल में है। उसे पंजाब से दूर गुजरात की जेल में रखा गया है। जेल में रहते हुए भी उसका दुस्साहसिक प्रभाव अभी भी कायम है। बिश्नोई पंजाब के लोकप्रिय गायक रहे सिद्धू मूसेवाला की सनसनीखेज हत्या का आरोपी है जिसकी मई 2022 में पंजाब में उसके गांव के निकट गोली मारकर हत्या कर दी थी। बालीवुड स्टार सलमान खान को खुलेआम धमकियां देने और उसके घर पर की गई फायरिंग के मामले में चर्चित लॉरेंस पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में 700 शूटरों वाले गैंग को कंट्रोल करता है। बिश्नोई गैंग का संबंध कनाडा में बैठे गैंगस्टरों और खालिस्तान समर्थक तत्वों से है। इसका साथी गोल्डी बराड़ कनाडा में बैठकर गिरोह का संचालन करता है। मूसेवाला हत्याकांड में भी गोल्डी बराड़ सह अभियुक्त है।

विजया दशमी के अवसर पर विशेष: दशहरा- धर्म की जीत और अधर्म के अंत का संदेश

प्राचीन भारतीय संस्कृति में विजयादशमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि वह शाश्वत सत्य है जो हमें हर युग में यह स्मरण कराता है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसे सत्य और धर्म के आगे झुकना ही पड़ता है। त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने घोर अत्याचारी लंकापति रावण का संहार कर इस शाश्वत सत्य को स्थापित किया था। तभी से दशहरा न केवल राम की विजय का प्रतीक है, बल्कि यह भी सिखाता है कि धर्म की विजय और अधर्म का पतन अनिवार्य है। रावण का जन्म ब्राह्मण ऋषि विश्रवा और कैकसी के पुत्र रूप में हुआ था। उसके सौतेले भाई कुबेर देवताओं में धन के अधिपति माने जाते हैं। परंतु इतनी ऊँची कुल परंपरा में जन्म लेने के बावजूद रावण अपनी असुर प्रवृत्तियों के कारण विनाश की राह पर चला गया। अपार शक्ति और विद्या प्राप्त करने के बाद भी वह अहंकार, लोभ और अधर्म में डूब गया। उसने देवताओं तक को परास्त किया, स्वर्ग तक पर अधिकार कर लिया और अमरत्व प्राप्त कर लंका को वैभव और ऐश्वर्य का केंद्र बना दिया। स्वर्णमयी लंका में रावण का राजमहल रत्नों से जड़ा हुआ था, चारों ओर कमल-पुष्पों से भरी खाई, सुगंधित पदार्थों से सुवासित अंतरिक्ष कक्ष और विलासिता की पराकाष्ठा वहाँ विद्यमान थी। किंतु यह वैभव भी उसके अहंकार को शांत न कर सका। उसने स्वयं अपने सौतेले भाई कुबेर से पुष्पक विमान छीन लिया और इन्द्र, वरुण, यम जैसे देवताओं को भी परास्त कर दिया। परंतु कपिराज बाली के सामने उसका साहस जवाब दे देता था। यह विरोधाभास बताता है कि शक्ति और सामर्थ्य के बावजूद अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम- धर्म और सत्य के प्रतीक

राजा दशरथ के पुत्र श्रीराम केवल हिंदू धर्म के ही आराध्य नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए आदर्श हैं। उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, सत्य और धर्म का पालन कर यह संदेश दिया कि शक्ति का सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब वह धर्म की रक्षा के लिए किया जाए। वाल्मीकि, तुलसीदास से लेकर रहीम जैसे मुस्लिम कवियों तक ने राम के आदर्शों का गुणगान किया। यह इस बात का प्रमाण है कि राम केवल एक धर्म या समुदाय के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के प्रतिनिधि हैं। वनवास के दौरान श्रीराम ने चित्रकूट के कामदगिरि में व्यतीत किए, जिससे यह स्थल आज भी पवित्र और पूजनीय माना जाता है। यह वही राम हैं जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्रियजनों तक को त्याग दिया, और बुराई के प्रतीक रावण को परास्त कर सत्य की विजय सुनिश्चित की। राम और रावण के बीच का युद्ध केवल दो व्यक्तियों या दो सेनाओं के बीच का संघर्ष नहीं था। यह दो जीवन दृष्टियों, दो संस्कृतियों, धर्म और अधर्म, तथा सत्य और असत्य के बीच का महासंग्राम था। एक ओर राम थे, जो धर्म, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलकर मानवता के कल्याण का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर रावण था, जो ज्ञान और सामर्थ्य होते हुए भी अहंकार, लोभ और अधर्म में डूबा हुआ था। रावण ने कपि सेना को कमजोर और तुच्छ समझकर अपनी भूल की। यह उसका घमंड और मतिभ्रम ही था कि उसने राम की सेना को नजरअंदाज किया। लेकिन अंततः कई दिनों तक चले घमासान युद्ध के बाद रावण का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। प्रत्येक वर्ष दशहरे पर हम रावण का पुतला जलाते हैं। हर वर्ष उसका आकार बड़ा होता जाता है, और उसका बाहरी स्वरूप अधिक आकर्षक बनता जाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या रावण का अंत केवल उसके पुतले के साथ ही हो जाता है सत्य यह है कि रावण आज भी हमारे भीतर और हमारे समाज में जीवित है। उसका रूप अब केवल दस सिरों वाला राक्षस नहीं, बल्कि हमारे भीतर की ईर्ष्या, घृणा, लोभ, अहंकार, अन्याय, भ्रष्टाचार और अधर्म के रूप में विद्यमान है। हममें से प्रत्येक को यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या हमने अपने भीतर के रावण को जलाया है जब तक हम राम के आदर्शों - सत्य, करुणा, धर्म और मर्यादा इ को अपने जीवन में नहीं उतारते, तब तक बुराई किसी न किसी रूप में हमारे चारों ओर बनी रहेगी। रावण के पुतले को जलाना केवल एक प्रतीकात्मक क्रिया है, वास्तविक विजय तब होगी जब हम अपने भीतर के रावण को परास्त करेंगे।

विजयादशमी का अर्थ केवल आतिशबाजी और पुतला-दहन नहीं है। इसका सच्चा अर्थ है

सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना।

धर्म की रक्षा के लिए साहस जुटाना।

अहंकार और लोभ को त्यागकर विनम्रता अपनाना।

अन्याय और अधर्म के विरुद्ध खड़ा होना।

यदि हम श्रीराम के जीवन और आचरण का किंचित भी अनुसरण कर लें, तो हम न केवल अपने भीतर की बुराइयों पर विजय पा सकते हैं, बल्कि समाज में भी परिवर्तन ला सकते हैं। तब हम भी आज के राम और रावण युद्ध के विजेता कहलाएंगे और हमारा जीवन भी राममय बन जाएगा। राम और रावण का युद्ध केवल त्रेता युग की कथा नहीं है। यह हर युग, हर समाज और हर व्यक्ति के भीतर चलता रहता है। हर विजयादशमी हमें यह याद दिलाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, सत्य और धर्म की विजय अपरिहार्य है। आज भी जब हम रावण का पुतला जलाते हैं, तो वह केवल अतीत की स्मृति नहीं होती, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी एक संदेश होती है -

कि हमें अपने भीतर के रावण को पहचानकर उसका दमन करना होगा।

कि हमें श्रीराम के मार्ग पर चलकर जीवन संग्राम में विजेता बनना होगा।

आइए, इस विजयादशमी पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि न केवल समाज में बल्कि अपने भीतर भी अच्छाई को विजयी बनाएंगे और बुराई को समाप्त करेंगे। तभी यह पर्व अपने सच्चे अर्थों में सार्थक होगा। सभी पाठकों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं और जीवन संग्राम में विजयी होने की मंगलकामनाएं!

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पीतमपुरा एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/570, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं सभी विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2018/...)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में हाल ही में हुई भारी बरसात से प्रभावित किसानों और आमजन को बड़ी राहत देते हुए की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत देते हुए प्रदेश में ट्यूबवेल कनेक्शनों के बिजली बिलों का भुगतान दिसंबर 2025 तक स्थगित करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जुलाई 2025 तक देय बिल अब जनवरी 2026 से बिना अतिरिक्त शुल्क अदा किए जा सकेंगे, जिससे 7.10 लाख किसानों को तुरंत राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री आज यहां प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी और विधायक श्री रणधीर पनिहार भी मौजूद रहे। श्री नायब सिंह सैनी ने फसली ऋण की वसूली स्थगित करने की घोषणा करते हुए कहा कि जिन गांवों में बाढ़ से 50 प्रतिशत से अधिक फसलों का नुकसान हुआ है और वहां के ऋणी किसानों का फसल खराबा 33 प्रतिशत या उससे अधिक हुआ है, उन किसानों से सहकारी समितियों के खरीफ सीजन के चालू फसली ऋण की वसूली स्थगित की जाती है। ऐसे किसानों को रबी सीजन की फसल

***हरियाणा सरकार ने ट्यूबवेल बिजली बिलों का भुगतान दिसंबर 2025 तक किया स्थगित, 7.10 लाख किसानों को राहत - मुख्यमंत्री**

***फसली ऋण वसूली भी स्थगित, रबी फसल के लिए ऋण भी होगा उपलब्ध ङ्घ 3 लाख किसान होंगे लाभान्वित**

***बाढ़ स्थिति से प्रभावित 2,386 परिवारों को 4.72 करोड़ रुपये का मुआवजा खातों में स्थानांतरित**

***ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 5.37 लाख किसानों ने कराया पंजीकरण, 15000 प्रति एकड़ तक जल्द मिलेगा मुआवजा**

हेतु नया फसली ऋण भी उपलब्ध करवाया जाएगा। इस निर्णय से लगभग 3 लाख किसान लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाल की भारी वर्षा और बाढ़ जैसे स्थिति से प्रदेश के कई जिलों में हुए नुकसान के लिए घरों, घरेलू सामान और पशुओं की हानि पर प्रभावित 2,386 परिवारों को कुल 4 करोड़ 72 लाख 6 हजार रुपये की राशि

सीधे खातों में स्थानांतरित की। इसमें 2,371 मकानों के नुकसान पर 4 करोड़ 67 लाख 75 हजार रुपये और 13 पशुओं की हानि पर 4 लाख 21 हजार रुपये की राशि शामिल है। उन्होंने कहा कि हाल की भारी वर्षा और बाढ़ से प्रदेश के कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। फसल, पशु और संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सरकार हर कदम पर प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने 15 सितंबर तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला था।

इस पर प्रदेश के 6,397 गांवों के 5 लाख 37 हजार किसानों ने 31 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण कराया है। सत्यापन कार्य प्रगति पर है और जिन क्षेत्रों में पानी से फसलें खराब हुई हैं, वहां प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा।

धान की 3.58 लाख मीट्रिक टन खरीद पूरी, 109 करोड़ रुपये किसानों के खातों में पहुंचे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 30 सितंबर तक धान की 5 लाख मीट्रिक टन आवक हुई है, जिसमें से 3.58 लाख मीट्रिक टन की खरीद पूरी हो चुकी है। किसानों के खातों में अब तक 109 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

बाजरे का स्त्रक्त2,775 रुपये प्रति क्विंटल सुनिश्चित, सरकार करेगी भरपाई

इसी तरह, 187.30 मीट्रिक टन बाजरा खरीद संस्थाओं द्वारा तथा 4,970 मीट्रिक टन व्यापारियों द्वारा खरीदा गया है। किसानों को 2,775 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा जिस भाव से बाजरा खरीदा जा रहा है, उससे शेष की भरपाई सरकार करेगी। यदि किसी किसान का बाजरा किसी कारण खराब होने की वजह से व्यापारियों द्वारा कम मूल्य पर खरीदा जाता है, तो उस स्थिति में भी सरकार किसानों को उस दिन की निर्धारित भावांतर दर की राशि का भुगतान किया जायेगा।

'लाडो लक्ष्मी ऐप' पर 6 दिन में 1.71 लाख बेटियों का पंजीकरण, 1 नवम्बर से मिलेगी पहली किस्त

मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर लॉन्च की गई 'लाडो लक्ष्मी ऐप' पर पिछले 6 दिनों में 1 लाख 71 हजार 946 बहन-बेटियों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने सभी पात्र महिलाओं से शीघ्र पंजीकरण कराने का आग्रह किया ताकि 1 नवंबर से पहली किस्त उनके खातों में स्थानांतरित की जा सके। उन्होंने बताया कि इसके लिए टोल-फ्री नंबर 18001802231 और हेल्पलाइन नंबर 01724880500 भी जारी किए गए हैं।

महिलाओं के हितों की आड़ में राजनीति कर रही है कांग्रेस - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस महिलाओं के हितों की बात केवल राजनीति चमकाने के लिए करती है, जबकि वास्तविकता में राज्यों में उनकी सरकारें महिलाओं को कोई लाभ नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपने संकल्प पत्र में किए वादे के अनुरूप महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह देने हेतु पहले बजट में 5,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और अब 1 नवंबर से यह योजना लाभार्थियों तक पहुंच जाएगी। इस अवसर पर गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अपूर्व कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, विकास से पंचायत विभाग के महानिदेशक श्री डी के बेहरा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस के समय में जिस कॉपरेटिव सोसायटी से किसानों का उठा था विश्वास, उसका करेंगे सुदृढ़ीकरण : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों के लिए बनाई गई कॉपरेटिव सोसायटी के सुदृढ़ीकरण को लेकर योजनाएं बनाई गई हैं। कांग्रेस के समय में जो कॉपरेटिव सोसायटी पर से किसानों का विश्वास उठ गया था, उसे दोबारा से बहाल करने की दिशा में काम होगा। जल्द ही इसके नये मेंबर बनाने की प्रक्रिया शुरू करने के साथ–साथ ऑनलाइन भी किया जाएगा। ताकि किसानों को समय पर लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री आज हरियाणा निवास में पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे। इस दौरान कांग्रेस नेतृत्व द्वारा विपक्ष के नेता की कमान पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को दिये जाने पर उन्होंने कहा कि इसके लिए श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और श्री राहुल गांधी को बधाई, लेकिन सवाल यह है कि जब बनाना ही श्री भूपेंद्र हुड्डा को था तो इतनी देरी क्यों की। श्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इनकी नीति ठीक नहीं है, जनता के सरोकार से इनका कोई लेना देना नहीं है। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस केवल गुटों की कांग्रेस है। कांग्रेस में फूट हमेशा से रही है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के गरीब को सशक्त करने का काम किया है, जबकि कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने केवल खुद को मजबूत करने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री के दौरे की तैयारियां पूरी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 3 अक्टूबर को एक दिन के लिए हरियाणा दौरे पर आ रहे है। इस दौरान कुरुक्षेत्र और रोहतक में उनके कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों की तैयारियां पूरी कर ली गईं। इस दौरान विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा , सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण बेदी और विधायक श्री रणधीर पनिहार भी मौजूद थे।

हरियाणा की पंचायती राज संस्थाओं को बड़ी सौगात - मुख्यमंत्री ने जारी किए 404.79 करोड़ रुपये

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश की पंचायती राज संस्थाओं को बड़ी सौगात देते हुए राज्य वित्त आयोग की दूसरी किस्त के रूप में 404 करोड़ 79 लाख रुपये की राशि जारी की। यह राशि सीधे 5,719 ग्राम पंचायतों, 144 पंचायत समितियों और तीन जिला परिषदों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। इस कदम से ग्रामीण अंचल के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर जनसुविधाओं के विस्तार को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने आज यहां आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान यह राशि जारी की। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी और विधायक श्री रणधीर पनिहार भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पिछले चार वर्षों में पंचायती राज संस्थाओं

को 3,700 करोड़ रुपये की राशि विकास कार्यों के लिए दी है। इनमें से 3,300 करोड़ रुपये गांवों के बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं पर सीधे खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का दृष्टिकोण केवल धन आवंटन तक सीमित नहीं है, बल्कि 73वें संविधान संशोधन की भावना के अनुरूप पंचायतों को अधिक अधिकार, अधिक संसाधन और अधिक जिम्मेदारी सौंपना है। उन्होंने कहा कि जब गांवों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संसाधन और अधिकार मिलते हैं, तो वे स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझकर विकास के फैसले ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि पंचायतें इस राशि का उपयोग पारदर्शी तरीके से करेंगी और जनता की भागीदारी से योजनाओं को धरातल पर उतारेंगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता जितनी सशक्त होगी, विकास के परिणाम उतने ही व्यापक और प्रभावी होंगे। इस अवसर पर गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अपूर्व कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित

5,719 ग्राम पंचायतों, 144 पंचायत समितियों और 3 जिला परिषदों के खातों में पहुंचेगा फंड

पिछले चार वर्षों में पंचायती राज संस्थाओं को मिला 3,700 करोड़ रुपये का सहयोग

स्थानीय स्तर पर मजबूत फैसलों से होगा विकास और भी प्रभावी - मुख्यमंत्री

कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, विकास से पंचायत विभाग के महानिदेशक श्री डी के बेहरा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में जापानी निवेश से गुरुग्राम बना विश्वस्तरीय औद्योगिक केंद्र, मुख्यमंत्री 5 से 11 अक्टूबर तक जापान दौरे पर

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि जापानी निवेशकों के योगदान के कारण गुरुग्राम आज विश्वस्तर पर अपनी नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मारुति की स्थापना के बाद से गुरुग्राम औद्योगिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। इस क्षेत्र में ऑटो के सहायक कलपुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और साइबर सिटी जैसे उद्योगों ने तेजी से वृद्धि की है। वर्तमान में जापान अपने कुल निवेश का लगभग एक तिहाई हिस्सा हरियाणा में निवेश कर रहा है, जो राज्य की औद्योगिक क्षमता और निवेश आकर्षण का स्पष्ट संकेत है। राव नरबीर सिंह ने बताया कि सिर्फ गुरुग्राम में 600 से अधिक जापानी कंपनियां सक्रिय हैं, जो राज्य में रोजगार और तकनीकी विकास का बड़ा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी 5 से 11 अक्टूबर तक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान दौरे पर जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री

जापानी निवेशकों से मुलाकात करेंगे और हरियाणा में निवेश के विभिन्न अवसरों को विस्तार से प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही वे जापान में आयोजित वैश्विक निवेशक प्रदर्शनी में हरियाणा पंडाल का दौरा करेंगे, जिससे निवेशकों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया जा सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के जापान दौरे के बाद इंडिया-जापान फास्ट ट्रैक मैकेनिज़्म का गठन किया गया था। इसका उद्देश्य जापानी निवेशकों के लिए भारत और हरियाणा को निवेश के लिए और अधिक सुगम और आकर्षक बनाना है। मंत्री ने कहा कि हरियाणा राज्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत

***मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जापान में आयोजित वैश्विक निवेशक प्रदर्शनी में करेंगे हरियाणा पंडाल का दौरा**

***जापानी निवेशकों को हरियाणा में निवेश के लिए करेंगे आमंत्रित**

बनाने के विजन को मूर्त रूप देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। जापानी कंपनियां मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास और औद्योगिक विस्तार में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

हरियाणा में औद्योगिक क्रांति: जापानी निवेश के सहयोग से विकसित होगी नई मॉडल टाउनशिप

राव नरबीर ने बताया कि हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को औद्योगिक दृष्टि से और अधिक विकसित करने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 2025–26 के बजट में 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप विकसित करने की घोषणा की थी, जिनमें से पांच को पहले ही स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में इन सभी औद्योगिक मॉडल टाउनशिप को तेजी से विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। विशेष रूप से, राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि एक मॉडल टाउनशिप विशेष रूप से जापानी निवेशकों के सहयोग से विकसित की जाए, जिससे हरियाणा की वैश्विक औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल न केवल निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करती है बल्कि युवाओं के लिए रोजगार सृजन, तकनीकी प्रशिक्षण और औद्योगिक विकास के नए मार्ग भी खोलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री का यह जापान दौरा हरियाणा को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और ऊँचाई पर ले जाएगा और राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन में अब तक 108.74 करोड़ की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

चंडीगढ़ ।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 108.74 करोड़ की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है।

मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत 36980 किसानों से धान की खरीद की गई है। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहाँ जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 503055. 41 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 89303.88 मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 377172.02 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ खरीद सीजन 2025 के दौरान 22 सितंबर से अब तक धान की सबसे अधिक खरीद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से की गई है। विभाग ने अब तक 223695.12 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। वहीं हैफेड ने अब तक 117705.84 मीट्रिक धान की खरीद की है। जबकि हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा 35771.05 मीट्रिक धान की खरीद की गई है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा राज्य में केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान खरीद 22 सितंबर 2025 से आरम्भ कर दी गई थी। राज्य में धान की खरीद में सबसे आगे जिला कुरुक्षेत्र है। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र जिले में अब तक सबसे अधिक 168949.60 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है और 146651.10 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। कुरुक्षेत्र जिले की मंडियों में कुल 12787 पंजीकृत किसानों से धान खरीदा गया है। हरियाणा की मंडियों/खरीद केंद्रों में धान की खरीद खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, हैफेड और हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा की जा रही है।

दिल्ली में आफत की बारिश ने बिगाड़ा दशहरा का रंग, रावण के पुतलों को भारी नुकसान!

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को 2 अक्टूबर को हल्की बारिश और बूंदाबांदी की उम्मीद है। मौसम की स्थिति में बदलाव से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे लंबे समय से चली आ रही गर्मी के बाद निवासियों को कुछ राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में 1 अक्टूबर को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की भविष्यवाणी की है। साथ ही, अधिकतम तापमान 34-36एष्ट और न्यूनतम तापमान 25-27एष्ट के बीच रहने की उम्मीद है। मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई भारी बारिश के कारण दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में जलभराव और ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। मंगलवार तक, सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच, शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र ने 37.8 मिमी बारिश दर्ज की, जिससे अक्टूबर की बारिश अपने दीर्घकालिक मासिक औसत 15.1 मिमी से आगे निकल गई। बुधवार सुबह जारी होने वाले 24 घंटे के अंतिम आंकड़े के अनुसार, शहर में बारिश अक्टूबर के औसत से काफी अधिक रहने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसे पहले से अपग्रेड करते हुए, मध्यम से भारी बारिश के साथ गरज, बिजली और 40 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाओं की चेतावनी दी है। IMD की रंग-कोडित प्रणाली के तहत, नारंगी चेतावनी शहर को «तैयार» मोड में रखती है। शहर के कुछ हिस्सों में दशहरा समारोह के लिए तैयार किए जा रहे रावण के विशाल पुतलों को मंगलवार को हुई तेज बारिश से नुकसान पहुंचा। तितारपुर में रावण के पुतले बनाने का काम दशहरे से हफ्तों पहले शुरू हो जाता है। कल की बारिश ने तितारपुर में रावण के पुतलों को खासा नुकसान पहुंचाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रावण के पुतलों से अलग हुई सामग्री फुटपाथ पर पड़ी दिखाई दे रही है और पुतले बनाने वाले कारीगर उनके बचे हुए हिस्से को बचाने की कोशिश करते दिखे। राजौरी गार्डन क्षेत्र के पास, रावण का एक पुतला खड़ा हुआ लग रहा था, उसका भीगा हुआ चेहरा ढुलक गया था और लकड़ी के फ्रेम पानी के दबाव से झुक रहे थे और रंग भी बिखर रहा था। लव कुश रामलीला समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा, "अचानक आई तेज बारिश के कारण हमारे पुतले थोड़े गीले हो गए हैं, क्योंकि तीनों पुतलों को उनकी ऊंचाई के कारण बहर रखा गया था। हमें अब उनकी मरम्मत करवानी होगी।" श्री राम धार्मिक लीला समिति के प्रेस सचिव रवि जैन ने कहा, "हम अभी रावण का पुतला खड़ा करने वाले थे, लेकिन भारी बारिश के कारण हमें इसे स्थगित करना पड़ा। शुक्र है कि हमने जल्दी शुरुआत नहीं की, वरना भारी नुकसान हो सकता था।

स्वयंभू विश्वगुरु बेनकाब, मोदी की विदेश नीति फेल; ट्रंप की मुनीर तारीफ के बाद कांग्रेस हुई हमलावर

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की तारीफ ने भारत की कूटनीति को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पार्टी का कहना है कि अब केवल नारेबाजी, डींगे मारने और भाषण झाड़ने से काम नहीं चलेगा।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, स्वयंभू विश्वगुरु और उनके चेले अब पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं। भारतीय कूटनीति के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हैं, सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि और भी कई देशों के साथ संबंधों में दिक्कतें हैं।

जयराम रमेश ने साझा किया ट्रंप का भाषण

इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने ट्रंप के उस भाषण को साझा किया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप का मुनीर के प्रति आकर्षण अब भी जारी है, जबकि मुनीर के भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों के बाद ही अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमला हुआ था।

तीन महीने में दो बार मुनीर से मिले ट्रंप- रमेश

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि ट्रंप ने पिछले तीन महीनों में व्हाइट हाउस में मुनीर से दो बार मुलाकात की है। अब ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें अच्छा लगा जब फील्ड मार्शल मुनीर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव रोककर लाखों लोगों की जान बचाई। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि उनके चीफ ऑफ स्टाफ ने मुनीर की इस बात को सबसे खूबसूरत चीज बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान जैसे परमाणु संपन्न देशों के बीच बड़े टकराव को खत्म किया। वर्जीनिया के क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, मैंने अपने कार्यकाल के नौ महीनों में सात युद्ध खत्म कर दिए। कल शायद मैंने अब तक का सबसे बड़ा विवाद सुलझा लिया। भारत और पाकिस्तान का विवाद बहुत बड़ा था और मैंने उसे रोक दिया।

मोदी सरकार की विदेश नीति हो रही फेल

कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप की इन टिप्पणियों और पाकिस्तान सेना प्रमुख की मौजूदगी में हुई इन मुलाकातों से साफ है कि मोदी सरकार की विदेश नीति केवल प्रचार तक सीमित रही है और असल कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की साख कमजोर पड़ रही है।

सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन कर किया मातृशक्ति का वंदन, दिया विशेष संदेश

गोरखपुर।

गोरखपीठ की सदियों पुरानी परंपरा का सम्मान करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया। यह अनुष्ठान मातृशक्ति के प्रति पीठ की गहरी श्रद्धा को दर्शाता है, एक ऐसी भावना जिसे योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद से महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और सम्मान के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से और भी मूर्त रूप दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बुधवार को समारोह के दौरान, सीएम योगी ने देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक नौ कन्याओं के पैर धोए, उनकी विधि-विधान से पूजा की, उन्हें चुनरी ओढ़ाई, आरती की, उन्हें भक्ति भाव से भोजन कराया और फिर दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। परंपरा का पालन करते हुए, मुख्यमंत्री ने बटुक पूजन (छोटे बालकों की पूजा) भी किया।

मंदिर के भोजन कक्ष में जल से भरे पीतल के बर्तन से नौ कन्याओं के पैर धोने के बाद, उन्होंने उनके माथे पर रोली, चंदन, दही और अक्षत लगाया, फूल और दूर्वा अर्पित की और फिर उन्हें माला और चुनरी पहनाई। उन्होंने आशीर्वाद लेने से पहले प्रत्येक कन्या को उपहार और दक्षिणा भेंट की। मुख्यमंत्री ने छह महीने की एक बच्ची का पूजन भी किया और उसका आशीर्वाद लिया। एक अन्य प्रतीकात्मक कार्य में, उन्होंने हनुमान के वेश में एक बालक को तिलक लगाया, उसे माला पहनाई और उसके कंधों पर एक कपड़ा डाला। अनुष्ठान के बाद, सीएम योगी ने मंदिर को रसोई से ताजा पका हुआ प्रसाद कन्याओं और बालकों को परोसा। उन्होंने नौ कन्याओं के साथ, बड़ी संख्या में एकत्रित हुई कन्याओं और बटुकों (बालकों) को भी आरती की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया और उपहार और दक्षिणा दी गई। नन्हे-मुन्ने बालक-बालिकाएँ अपने महाराज जी के स्नेह का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनका उत्साह पूरे समारोह में साफ दिखाई दे रहा था। बालिकाएँ सीधे महाराज जी के हाथों दक्षिणा पाकर बेहद खुश दिखाई दीं। अनुष्ठान के बाद, सीएम योगी बच्चों के साथ गर्मजोशी से मिले और एक-एक थाली में प्रसाद परोसा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी बच्चे के भोजन में प्रसाद की कोई कमी न रहे। उन्होंने मंदिर के कर्मचारियों को त्रुटिरहित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य सतुआ बाबा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 परसेंट बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र ने दिवाली और दशहरा से पहले केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 परसेंट की बढ़ोत्तरी कर दी है। यह इजाफा एक जुलाई से लागू होगा। कर्मचारियों को 3 महीने का एरियर मिलेगा। यह फैसला बुधवार को पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया। अब कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55फीसदी से बढ़कर 58फीसदी हो जाएगा। इसका लाभ 49.2 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.7 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। इससे केंद्र सरकार के खजाने पर 10,084 करोड़ रुपए का भार आएगा। मार्च महीने में महंगाई भत्ते में 2फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई थी। तब यह 7 साल में सबसे कम इजाफा था। आमतौर पर महंगाई भत्ते में बढ़ोत्तरी 3फीसदी से 4फीसदी के बीच होती है, लेकिन उस वक्त बढ़ोत्तरी सिर्फ 2फीसदी की गई थी।

कश्मीर में अलगाववाद की कमर टूटी- गिलानी के तहरीक-ए-हुर्रियत का मुख्यालय सील

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क कर लिया है, जिसकी स्थापना अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने 2004 में की थी। पिछले साल बडगाम पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत कार्यालय को कुर्क किया गया है। पुलिस ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि अलगाववादी और आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, बडगाम पुलिस ने यूएपीए की धारा 25 के तहत हैदरपुरा के रहमताबाद स्थित प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क कर लिया है। इसमें कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्ति में एक तीन मंजिला इमारत शामिल है, जिसका इस्तेमाल

प्रतिबंधित संगठन के कार्यालय के रूप में किया जा रहा था। तहरीक-ए-हुर्रियत की स्थापना गिलानी ने अपने मूल संगठन जमात-ए-इस्लामी से अलग होने के बाद की थी।

2023 में, केंद्र ने इसे एक गैरकानूनी संगठन घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया था। संगठन का मुख्यालय श्रीनगर के हैदरपुरा के रहमताबाद स्थित गिलानी के आवास परिसर में स्थित था। गिलानी और तहरीक-ए-हुर्रियत प्रमुख मोहम्मद अशरफ सेहराई (जिनकी 2022 में जम्मू की एक जेल में मृत्यु हो गई) के निधन और 2023 में इस पर प्रतिबंध लगने के बाद, यह अलगाववादी संगठन लगभग निष्क्रिय हो गया था। संगठन का अधिकांश शीर्ष और दूसरी पंक्ति का नेतृत्व जेल में है। पूर्व निर्वाचित विधायक गिलानी (92) अपने निधन के समय एक दशक से भी अधिक समय से नजरबंद थे। पुलिस ने कहा, एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर और सक्षम प्राधिकारी से उचित अनुमोदन प्राप्त करके, कानूनी प्रावधानों के अनुसार संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई गैरकानूनी और विध्वंसक गतिविधियों के खिलाफ चल रही जाँच में एक महत्वपूर्ण कदम है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों को बेअसर करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के पुलिस के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। पुलिस ने कहा कि वे देश की संप्रभुता और अखंडता के लिए हानिकारक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ सख्त कदम उठाना जारी रखेंगे।

मौत का तांडव: सनकी व्यक्ति ने पहले 2 मासूमों को मारा, फिर घर में लगा दी आग, 6 की मौत से मचा हड़कंप

बहराइच।

बहराइच के निंदुनपुरवा टेपरा गांव में बुधवार सुबह एक ग्रामीण ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलवाया, सभी ने लहसुन की बोवाई से इनकार किया तो धारदार हथियार से वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद को परिवार सहित कमरे में बंद कर आग के हवाले कर दिया।

फायर ब्रिगेड और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में दंपती व दो बेटियों समेत चार लोग जिंदा जल गए, चार मवेशियों की भी झुलसकर मौत हुई है। गांव निवासी विजय कुमार खेती बाड़ी और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव निवासी सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम और सन्नी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश को घर बुलवाया। दोनों ने नवरात्र का अंतिम दिन होने के चलते घर पर काम अधिक होने की बात कह कर खेत में काम करने से इनकार कर दिया। इसी बात से गुस्साए विजय ने अपने घर के आंगन में धारदार हथियार से दोनों की हत्या कर दी।

इसके बाद विजय ने खुद को पत्नी व बेटियों सहित कमरे के अंदर बंद कर घर में आग लगा ली। आग लगने पर कमरे में बंद लोगों ने चीखना चिल्लाना शुरू किया। गांव के लोग दौड़े, लेकिन आंगन में लहूलुहान दो लाशों को देखकर सभी के होश उड़ गए। उधर कमरे के अंदर आग की लपटों से घिरे लोग चीख चिल्ला रहे थे। सूचना पर फायर ब्रिगेड और रामगांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। रामगांव थाना अध्यक्ष ने बताया कि सूरज यादव और सन्नी वर्मा की धारदार हथियार से हत्या की गई है। कमरे के अंदर से विजय यादव उसकी पत्नी और दो बेटियों के शव निकाले गए हैं। उप जिलाधिकारी सदर पूजा चौधरी, पुलिस क्षेत्राधिकारी महसी मौके पर पहुंचे हैं।

हिमाचल में सीमेंट महंगा, पड़ोसी राज्यों में सस्ता जेपी नड्डा बोले- जनता की जेब काट रही कांग्रेस

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि जीएसटी बचत उत्सव से राहत मिली है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा रही है, जिससे लोगों पर बोझ बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के बीच अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है।

एक वीडियो संदेश में, जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफ जीएसटी बचत उत्सव को लेकर खुशी है, लेकिन दूसरी तरफ, हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार जनता पर कर का बोझ बढ़ा रही है। हम जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदा से उबरने की कोशिश कर रहा है। नड्डा ने दावा किया कि

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से, हिमाचल प्रदेश में पुनर्निर्माण को ध्यान में रखते हुए, सीमेंट पर राहत प्रदान की गई जिससे सीमेंट की कीमतें 30 रुपये तक कम हो गईं... फिर भी, हिमाचल प्रदेश के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल सका क्योंकि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा दिए... जब हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदा और वित्तीय समस्याओं से जूझ रहा है, तो उसे लोगों को राहत देने के बजाय, कांग्रेस सरकार अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इसे अनैतिक और असंवेदनशील बताया कि हिमाचल प्रदेश में निर्मित सीमेंट पड़ोसी राज्यों में कम कीमत पर बेचा जा रहा है, जबकि राज्य के लोगों को अधिक लागत का सामना करना पड़ रहा है। नड्डा ने कहा, यह अनैतिक और असंवेदनशील है। दुर्भाग्य से, जब हिमाचल प्रदेश में निर्मित सीमेंट पड़ोसी राज्यों में बेचा जाता है, तो यह कम कीमत पर उपलब्ध होता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में इसे अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। कांग्रेस सरकार इतनी असंवेदनशील है कि उसने सीमेंट और पानी के बिल पर कर बढ़ा दिया है... बिजली का बिल भी बढ़ा दिया है।

गुजरात की कोर्ट से अलकायदा के तीन आतंकियों को उम्रकैद, संगठन में करते थे युवाओं की भर्ती

राजकोट।

अहमदाबाद एटीएस ने दो साल पहले राजकोट के सोनी बाजार से 3 युवकों को गिरफ्तार किया था। उनपर आतंकी गतिविधियों में सम्मिलित होने का आरोप था। तीनों के तार आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े थे और उनके राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी शामिल होने के संकेत मिले थे। वहीं, अब कोर्ट ने तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अहमदाबाद एटीएस का शक अदालत में सच साबित हुआ। राजकोट की स्थानीय अदालत ने तीनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी है। तीनों युवक मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। 2 साल पहले गुजरात एटीएस को खुफिया

जानकारी के आधार पर पता चला था कि पश्चिम बंगाल के तीन युवक राजकोट की सोनी बाजार में मौजूद है। तीनों मजदूरी की आड़ में खुंखार आतंकी संगठन अल-कायदा का प्रचार कर रहे थे। सूचना मिलते ही एटीएस ने 31 जुलाई 2023 को सोनी बाजार में छापेमारी की और राजकोट रेलवे स्टेशन से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों की पहचान अमन सिराज मलिक, अब्दुल शकुल अली शेख और शफनवाज अबुशाहिद के रूप में हुई। छापेमारी के दौरान पुलिस को पिस्तौल, कारतूस समेत कई सबूत मिले। अमन सिराज के फोन में रहे-ए-हिदायत नामक ग्रुप मिला, जिसमें राष्ट्र-विरोधी गतिविधियां शामिल थीं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेजकर जांच पूरी की और राजकोट की अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान साफ हो गया कि तीनों आरोपी व्हाट्सएप चैटिंग के जरिए कई मुस्लिमों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए भड़काने की कोशिश करते थे। साथ ही उन्हें संगठन में शामिल करने का काम कर रहे थे। 2 साल के ट्रायल के बाद कोर्ट ने तीनों को आजीवन कारावास की सजा सुना दी है। इसके साथ ही अदालत ने तीनों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

खड़े ट्रक में घुसी कार; करनाल के एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में हरियाणा के रहने वाले एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर के खतौली इलाके के पानीपत खटीमा मार्ग पर ढाबे पर खड़े एक ट्रक में कार घुस गई। हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। परिवार अस्थियां लेकर करनाल से हरिद्वार जा रहा था। मुजफ्फरनगर के पानीपत-खटीमा हाईवे के बघरा बाईपास पर ढाबे पर खड़े ट्रक में पीछे से कार घुस गई। हादसे में हरियाणा के करनाल जिले के

फरीदपुर से अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार जा रहे छह लोगों की मौत हो गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची है। परिजनों ने बताया कि पिछले दिनों फरीदपुर के महेंद्र की मौत हुई थी। बुधवार को उनकी अस्थियां लेकर उनका बेटा पीयूष और परिवार के अन्य सदस्य मोहित, अंजू, विक्की राजेंद्र, हार्दिक और शिवा हरिद्वार जा रहे थे। तितावी क्षेत्र में बघरा के पास हादसा हो गया। हार्दिक को घायल हालत में अस्पताल भेजा गया है। जबकि छह लोगों की मौत हो गई।

पीएम मोदी ने आरएसएस के 100 साल के सफर को सराहा

नई दिल्ली

। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि झूठे मुकदमे दर्ज करने या प्रतिबंध लगाने के प्रयासों के बावजूद, संगठन ने कभी भी कटुता नहीं रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आरएसएस के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करने, उन पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों और अन्य चुनौतियों के बावजूद, संगठन कभी भी कटुता नहीं रखता, क्योंकि हम उस समाज का हिस्सा हैं जहाँ हम अच्छे और बुरे दोनों को स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संगठन के शताब्दी समारोह के अवसर पर राष्ट्र के प्रति आरएसएस के योगदान को रेखांकित करते हुए एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। अपने संबोधन के शुरुआत में मोदी ने कहा कि आज महानवमी है। आज देवी सिद्धिदात्री का दिन है। मैं सभी देशवासियों को नवरात्रि की बधाई देता हूं। कल विजयादशमी का महापर्व है- अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत, अंधकार पर प्रकाश की जीत है। विजयादशमी भारतीय संस्कृति के इस विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान पर्व पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ये कोई संयोग नहीं

- संघ को कुचलने के प्रयास हुए, साजिशें हुईं, पर संगठन कभी भी कटुता नहीं रखता- मोदी
- राष्ट्र निर्माण ही संघ का ध्येय- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

था। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनरुत्थान था। जिसमें राष्ट्र चेतना, समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी

अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। उन्होंने कहा कि ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने को मिल रहा है। मैं आज इस अवसर पर राष्ट्र सेवा को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं, अभिनंदन करता हूं। संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्श परम पूज्य डॉ. हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि संघ की 100 वर्ष की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में आज भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी किए हैं। 100 रुपए के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिन्ह है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद-मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर संभवत- स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। इस सिक्के के ऊपर संघ का बोध वाक्य भी अंकित है- राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक... जो अनवरत रूप से देश की सेवा में जुटे हैं, समाज को सशक्त कर रहे हैं। इसकी भी झलक इस डाक टिकट में है। मैं इन स्मृति सिक्कों और डाक टिकट के लिए देशवासियों को बहुत बहुत बधाई देता हूं।

मोदी ने कहा कि 1963 में जम्मू के स्वयंसेवक भी 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे। उन्होंने बहुत आन-बान-शान से राष्ट्रभक्ति की धुन पर कदमताल किया था। जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी और संघ की धारा में भी सैकड़ों जीवन पुष्पित, पल्लवित हुए हैं। अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विराट उद्देश्य लेकर चला। ये उद्देश्य रहा- राष्ट्र निर्माण। उन्होंने दावा किया कि संघ के बारे में कहा जाता है कि इसमें सामान्य लोग मिलकर असामान्य और अभूतपूर्व कार्य करते हैं। व्यक्ति निर्माण की ये सुंदर प्रक्रिया हम आज भी संघ की शाखाओं में देखते हैं। संघ शाखा का मैदान एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां स्वयंसेवक की अहं से वयं तक की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की वज्र वेदी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य... व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ... शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति... यहीं संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। संघ ने कितने ही बलिदान दिये। लेकिन भाव एक ही रहा -राष्ट्र प्रथम... लक्ष्य एक ही रहा -एक भारत, श्रेष्ठ भारत।